Literacy for a Billion

Movie: Anurodh
Year: 1977

Song: Aate Jate Khubsurat
Lyricist: Anand Bakshi

हूँ ...
आते जाते ख़ूबसूरत
आवारा सड़कों पे
कभी कभी इत्तफ़ाक़ से
आते जाते ख़ूबसूरत
आवारा सड़कों पे
कभी कभी इत्तफ़ाक़ से

कितने अनजान लोग
मिल जाते हैं
उनमें से कुछ लोग
भूल जाते हैं
कुछ याद रह जाते हैं

उनमें से कुछ लोग
भूल जाते हैं
कुछ याद रह जाते हैं

आते जाते ख़ूबसूरत
आवारा सड़कों पे
कभी कभी इत्तफ़ाक़ से
कितने अनजान लोग
मिल जाते हैं
उनमें से कुछ लोग
भूल जाते हैं
कुछ याद रह जाते हैं

उनमें से कुछ लोग
भूल जाते हैं

कुछ याद रह जाते हैं
आवाज़ की दुनिया के दोस्तों
कल रात इसी जगह पे मुझको
किस क़दर ये हसीं ख़याल मिला है
राह में इक रेशमी रुमाल मिला है
किस क़दर ये हसीं ख़याल मिला है
राह में इक रेशमी रुमाल मिला है
जो गिराया था किसीने जानकर
जिसका हो ले जाए वो पहचानकर
वरना मैं रख लूँगा
उसको अपना जानकर
किसी हुस्नवाले की
निशानी मानकर
निशानी मानकर

हँसते गाते लोगों की
बातों ही बातों में
कभी कभी इक मज़ाक से
कितने जवान क़िस्से बन जाते हैं
उन क़िस्सों में चंद
भूल जाते हैं
चंद याद रह जाते हैं

उनमें से कुछ लोग
भूल जाते हैं
कुछ याद रह जाते हैं

तक़दीर मुझपे मेहरबान है
जिस शोख की ये दास्तान है

उसने भी शायद ये
पैग़ाम सुना हो
मेरे गीतों में अपना नाम सुना हो
उसने भी शायद ये
पैग़ाम सुना हो
मेरे गीतों में अपना नाम सुना हो
दूर बैठी ये राज़ वो जान ले
मेरी आवाज़ को पहचान ले
काश फिर कल रात जैसी बरसात हो
और मेरी उसकी कहीं मुलाक़ात हो
मुलाक़ात हो

लंबी लंबी रातों में
नींद नहीं जब आती
कभी कभी इस फ़िराक़ से
कितने हसीन ख़्वाब बन जाते हैं
उनमें से कुछ ख़्वाब
भूल जाते हैं
कुछ याद रह जाते हैं

उनमें से कुछ लोग
भूल जाते हैं
कुछ याद रह जाते हैं

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.